गणगौर - गवरजा

सम्पादक

डॉ. बाबूलाल शर्मा

गणगौर—गवरजा

सम्पादक

डॉ. बाबूलाल शर्मा

भारतीय विद्या मन्दिर

कोलकता, दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बीकानेर

* प्रकाशक :
भारतीय विद्या मन्दिर
सिम्पलेक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
12/1 नेली सेनगुप्ता सरणी
कोलकता–700087 (पश्चिम बंगाल)
फोन : 033–71001614
मो. : 91–98305 59364
e-mail : bvm.vaichariki@gmail.com

* वितरक
राजस्थानी ग्रन्थागार
प्रकाशक एवं वितरक
प्रथम माला, गणेश मन्दिर के सामने
सोजती गेट, जोधपुर (राजस्थान)
0291–2657531, 2623933 (O)
E-mail : info@rgbooks.net
Website : www.rgbooks.net

* ISBN : 978-81-89302-63-4

* © प्रकाशक

* प्रथम संस्करण : 2011
द्वितीय संस्करण : 2019

* मूल्य : चार सौ रुपये मात्र (₹ 400.00)

Gangaur-Gawarja
by : **Dr. Babulal Sharma**
Publisher : **Bharatiya Vidya Mandir**
Distributor : **Rajasthani Granthagar**, JODHPUR
Second Edition : 2019 ✦ Price ₹ 400.00

प्रकाशकीय

गणगौर या गवरजा, विशेष रूप से राजस्थानी त्यौंहार है जिसका अनुष्ठान फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णता पर होली के दूसरे दिन से प्रारम्भ होकर चैत्र शुक्ल तृतीया को गवरजा की शोभायात्रा के साथ-सम्पन्न होता है। मुख्यतः महिलाओं के इस त्यौंहार में पुरुषों की भागीदारी गवरजा की सवारी या शोभांयात्रा के समय होती है। कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति और विवाहित स्त्रियां अखण्ड सौभाग्य की कामना से देवी गौरी का यह व्रतानुष्ठान लोक प्रचलित विधियों तथा लोकगीतों से सम्पन्न करती हैं। पुराणोक्त षोडश मातृकाओं में गौरी प्रधान मातृका हैं, परन्तु इस समय उनका पूजन मातृ भाव के साथ सखी भाव से अधिक किया जाता है। इसीलिए महिलाएं गौरी को अपनी बहन और शिव को अपना बहनोई मानकर ही पूजन करती हैं तथा हास्य-विनोद से पूर्ण गीत भी गाती हैं। प्रस्तुत ग्रन्थ में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों और उससे बाहर राजस्थानियों के प्रमुख केंद्र नगरों में इस त्यौंहार के स्वरूप, परम्पराओं, इतिहास, गीतों आदि को लिखते-जुटाने में जिन महानुभावों ने सहयोग किया है उनके प्रति मैं कृतज्ञ हूं और डॉ. बाबूलाल शर्मा को साधुवाद देता हूं कि उन्होंने परिश्रमपूर्वक विविधात्मक सामग्री का संकलन-सम्पादन कर गणगौर-गवरजा पर अपने-आप में एक संपूर्ण ग्रन्थ का निर्माण किया है। इसका प्रथम संस्करण 2011 में प्रकाशित हुआ। पाठकों की विशेष मांग पर अब इसका द्वितीय संस्करण आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है।

गौणगौर पर्व (चैत्र शुक्ल तृतीया वि.सं. 2076) पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

सिम्पलेक्स हाउस
27, शेक्सपीयर सरणी
कोलकाता-700017

डॉ. बिट्ठलदास मूंधड़ा
अध्यक्ष
भारतीय विद्या मंदिर
सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लि.

भारतीय विद्या मन्दिर
सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
कोलकाता

ISBN 978-81-89302-63-4